>

Title: Situation arising out of floods in various parts of the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी कृपा से एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय को सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूं। आज पूर्वी उत्तर प्रदेश के जनपद सिद्धार्थ नगर में नदियों- जमुआर, कूढ़ा, भोगी के कटान के कारण कई गांव महथावल,लोटन और गढ़मोर हैं, कटकर विलीन हो गये हैं। उन गरीबों की सारी पूंजी नदियो के कटान के कारण नष्ट गई है लेकिन उनके रिहैबिलिटेशन का काम राज्य सरकार नहीं कर रही है। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ आयी है जिसमें 50 लोगों की मृत्यु हो गई है.। जो दैविक आपदा में राहत दी जाती है, वह नहीं दी गई है।

उपाध्यक्ष जी, सिहार्थ नगर से जो रास्ता नेपाल जाता है- वाया सोहास, वह बंद हो गया है। आज आवागमन बंद हो गया है। नदी पर कंछुलिया का जो पुल पड़ता है, आज उस पर पानी बह रहा है, कम से कम यह दो फीट है। जिस तरह सिद्धार्थ नगर का नेपाल से संबंध विच्छेद हो रहा है, बाढ़ के कारण जुगिया ब्लाक, लोटन ब्लाक, कम से कम काफी गांव बाढ़ प्रभावित हो गये हैं. उनको सुरक्षित स्थानों पर अभी नहीं पहुंचाया गया है.।

~~(k5/1945/cs-rk)~~

यही स्थिति इस नाते भी है कि आज उत्तर प्रदेश में गिरिजापुरी बैराज से 1 लाख 46 हजार 169 क्यूसेक ...(व्यवधान) पानी छोड़ा गया है।

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया समाप्त करें।

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : मैं एक मिनट में समाप्त कर रहा हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : एक मिनट पहले भी बोला था। हर बार एक मिनट बोलकर बढ़ाते जा रहे हैं।

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : शारदा बैराज से 1,14,012 क्यूसेक पानी छोड़ दिया, गोपिया बैराज से 4,550 क्यूसेक पानी छोड़ दिया, घाघरा नदी में 2,64,731 क्यूसेक पानी है, बलरामपुर में खतरे के निशान पर है। रामपुर में जो कोशी नदी में आयी है, उसमें भी बैराज का पानी छोड़ा गया है। पीलीभीत में टूनी बैराज से 17 हजार 351 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बनबसा, जो पीलीभीत में पड़ता है, 1 लाख 47 हजार 600 क्यूसेक और लखीमपुरी खीरी में शारदा खतरे में है। गोंडा में सरयू का जल स्तर है और सिद्धार्थ नगर एरिया में खतरे...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप भारत सरकार से क्या चाहते हैं? वह बोलिये।

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : मैं भारत सरकार से यह चाहता हूं कि भारत सरकार ने तो कई प्रोजेक्ट दिये हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश को जो पैसा फ्लड मैंनेजमेंट के लिए दिया है, आज राज्य सरकार उसे नहीं कर रही है। मैं चाहता हूं कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार को कम से कम इस बारे में लिखे कि जो तटबंध कट रहे हैं, जो प्रोजेक्ट स्वीकृत होकर गये हैं, उन प्रोजेक्ट्स पर काम कराया जाये। जो मृत हो गये हैं, उन्हें दैवीय आपदा में एक-एक लाख रूपया अनुमन्य होता है, उन गरीब और पीड़ित परिवारों के आश्रितों को वह पैसा दिया जाये। जिनके मकान नदियों में विलीन हो गये हैं, उन्हें रिहैबिलिटेट करने की कार्यवाही की जाये। जो गांव नदियों में आ गये हैं, उन्हें दूसरी जगह पर सुरक्षित बसाने की कार्य योजना बनायी जाये। मैं यही कहना चाहता हूं। धन्यवाद।